

## वैज्ञानिकों ने किसानों द्वारा पूछे गए सवालों के दिए जवाब

कानपुर। सीएसए के सब्जी उत्कृष्टता केंद्र द्वारा ग्राम फत्तेपुर में एक कृषक-वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए उत्कृष्टता केंद्र पर हो रही अनुसंधान गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कृषि उत्पादन व विपणन से संबंधित विषयों पर चर्चा की। साथ ही मृदा की गुणवत्ता तथा टपक सिंचाई की महत्ता पर विशेष जोर दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कीट विज्ञानी डॉ आनंद स्वरूप श्रीवास्तव ने मुख्यतः मशरूम उत्पादन, चेरी टमाटर, बेबीकॉर्न एवं मधुमक्खी पालन पर विशेष ध्यान देने पर जोर दिया। इसके अतिरिक्त उन्होंने एग्री स्टार्टअप को बढ़ावा देने का किसानों का आवाहन किया। इस अवसर पर डॉ संजीव सचान ने मसाला फसलों जैसे धनिया, कलौंजी, मिर्च, हल्दी आदि के उत्पादन के बढ़ावा देने पर जोड़ दिया। जिससे किसानों की आय में बढ़ोतरी हो सके। इस अवसर पर डॉ भानु प्रताप सिंह ने सब्जी फसलों में खरपतवार प्रबंधन की विभिन्न तकनीकों की जानकारी दी। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुरेश कुमार एवं नितिन पटेल का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर प्रगतिशील किसान शिव प्रसाद तिवारी, अशोक तिवारी, रामकुमार शुक्ला एवं अंकुर तिवारी सहित एक सैकड़ा से अधिक किसान उपस्थित रहे।



## मशरूम उत्पादन, चेरी टमाटर, बेबीकॉर्न व मधुमक्खी पालन करने के लिए किसानों को जागरूक किया

**जन एक्सप्रेस, कानपुर नगर।**

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के सब्जी उत्कृष्टता केंद्र द्वारा ग्राम फत्तेपुर में बीते दिन सोमवार को कृषक-वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान



ने उत्कृष्टता केंद्र पर हो रही अनुसंधान गतिविधियों के बारे में जानकारी देते हुए कृषि उत्पादन व विपणन से संबंधित विषयों पर चर्चा की। उन्होंने मृदा की गुणवत्ता तथा टपक सिंचाई की महत्ता पर विशेष जोर दिया। विश्वविद्यालय के कीट विज्ञानी डॉ. आनंद स्वरूप श्रीवास्तव ने किसानों से मशरूम उत्पादन, चेरी टमाटर, बेबीकॉर्न एवं मधुमक्खी पालन व एग्री स्टार्टअप को बढ़ावा देने की बात कही। डॉ. संजीव सचान ने मसाला फसलों जैसे धनिया, कलौंजी, मिर्च, हल्दी आदि के उत्पादन के बढ़ावा देने पर जोर दिया। जिससे किसानों की आय में बढ़ोत्तरी हो सके। डॉ. भानु प्रताप सिंह ने सब्जी फसलों में खरपतवार प्रबंधन की विभिन्न तकनीकों की जानकारी दी। इस अवसर पर प्रगतिशील किसान शिव प्रसाद तिवारी, अशोक तिवारी, रामकुमार शुक्ला एवं अंकुर तिवारी सहित एक सैकड़ा से अधिक किसान मौजूद रहे।



सोमवार 27 मार्च, 2023 | अंक - 331

[www.worldkhabarexpress.media](http://www.worldkhabarexpress.media)  
[www.worldkhabarexpress.com](http://www.worldkhabarexpress.com)

[www.twitter.com/worldkhabarexpress](https://www.twitter.com/worldkhabarexpress)



[www.facebook.com/worldkhabarexpress](https://www.facebook.com/worldkhabarexpress)



[www.youtube.com/worldkhabarexpress](https://www.youtube.com/worldkhabarexpress)

MID DA

# कानपुर सीएसए द्वारा हुआ कृषक वैज्ञानिक संवाद

➤ वैज्ञानिकों ने किसानों द्वारा पूछे गए सवालों के दिए जवाब

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के सब्जी उत्कृष्टता केंद्र द्वारा ग्राम फतेपुर में एक कृषक-वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डा. खलील खान ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए उत्कृष्टता केंद्र पर हो रही अनुसंधान गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कृषि उत्पादन व विपणन से संबंधित विषयों पर चर्चा की। साथ ही मृदा की गुणवत्ता तथा टपक सिंचाई की महत्ता पर विशेष जोर दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कीट विज्ञानी डॉ. आनंद स्वरूप श्रीवास्तव ने मुख्यतः मशरूम उत्पादन, चेरी टमाटर, बेबीकॉर्न एवं मधुमक्खी पालन पर विशेष ध्यान देने पर जोर दिया। इसके अतिरिक्त उन्होंने एग्री स्टार्टअप को बढ़ावा देने का किसानों का आवाहन किया। इस अवसर पर डॉ. संजीव सचान ने मसाला फसलों जैसे धनिया, कलींजी, मिर्च, हल्दी आदि



के उत्पादन के बढ़ावा देने पर जोड़ दिया। जिससे किसानों की आय में बढ़ोतरी हो सके। इस अवसर पर डॉ. भानु

प्रताप सिंह ने सब्जी फसलों में खरपतवार प्रबंधन की विभिन्न तकनीकों की जानकारी दी। कार्यक्रम को सफल

बनाने में सुरेश कुमार एवं नितिन पटेल का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर प्रगतिशील किसान शिव प्रसाद तिवारी,

अशोक तिवारी, रामकुमार शुक्ला एवं अंकुर तिवारी सहित एक सैकड़ा से अधिक किसान उपस्थित रहे।







## वैज्ञानिकों ने किसानों के पूछे सवालों के दिए जवाब

**डीटीएनएन**

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के सब्जी उत्कृष्टता केंद्र द्वारा ग्राम फत्तेपुर में एक कृषक-वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए उत्कृष्टता केंद्र पर हो रही अनुसंधान गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी उन्होंने कृषि उत्पादन व विपणन से संबंधित विषयों पर चर्चा की। साथ ही मृदा की गुणवत्ता तथा टपक सिंचाई की महत्ता पर विशेष जोर दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कीट विज्ञानी डॉ आनंद स्वरूप श्रीवास्तव ने मुख्यतः मशरूम उत्पादन, चेरी टमाटर, बेबीकॉर्न एवं मधुमक्खी पालन पर विशेष ध्यान देने पर जोर दिया। इसके अतिरिक्त उन्होंने एग्री स्टार्टअप को बढ़ावा देने का किसानों का आवाहन किया। इस अवसर पर डॉ संजीव सचान ने मसाला फसलों जैसे धनिया, कलौंजी, मिर्च, हल्दी आदि के उत्पादन के बढ़ावा देने पर जोड़ दिया। जिससे किसानों की आय में बढ़ोतरी हो सके। इस अवसर पर डॉ भानु प्रताप सिंह ने सब्जी फसलों में खरपतवार प्रबंधन की विभिन्न तकनीकों की जानकारी दी। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुरेश कुमार एवं नितिन पटेल का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर प्रगतिशील किसान शिव प्रसाद तिवारी, अशोक तिवारी, रामकुमार शुक्ला एवं अंकुर तिवारी सहित एक सैकड़ा से अधिक किसान उपस्थित रहे।





रामायण कॉन्फ्लेक्ट

# किसानों के सवालों पर वैज्ञानिकों ने दिये जवाब

कानपुर, 27 मार्च। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के सब्जी उत्कृष्टता केंद्र की ओर से ग्राम फत्तेपुर में एक कृषक-वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने उत्कृष्टता केंद्र पर हो रही अनुसंधान गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कृषि उत्पादन व विपणन से संबंधित विषयों पर चर्चा की। साथ ही मृदा की गुणवत्ता तथा टपक सिंचाई की महत्ता पर विशेष जोर दिया। कीट विज्ञानी डॉ आनंद स्वरूप श्रीवास्तव ने मशरूम उत्पादन, चेरी टमाटर, बेबीकॉर्न एवं मधुमक्खी पालन पर विशेष ध्यान देने पर जोर दिया और एग्री स्टार्टअप को बढ़ावा देने का किसानों का आवाहन किया। वैज्ञानिक डॉ संजीव सचान ने मसाला फसलों जैसे धनिया, कलौंजी, मिर्च, हल्दी आदि के उत्पादन के बढ़ावा देने पर जोड़ दिया।



# वैज्ञानिक तकनीक से खेती करने की सलाह

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के सब्जी उत्कृष्टता केंद्र की देखरेख में वैज्ञानिकों की टीम सोमवार को फत्तेपुर गांव पहुंची। टीम ने किसानों को वैज्ञानिक तकनीक से खेती करने की सलाह दी। मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने मृदा की गुणवत्ता व टपक सिंचाई के बारे में बताया। कीट विज्ञानी डॉ. आनंद स्वरूप श्रीवास्तव ने मशरूम उत्पादन, चेरी टमाटर, बेबीकॉर्न व मधुमक्खी पालन पर विशेष ध्यान देने को कहा। डॉ. संजीव सचान ने मसाला फसलों जैसे धनिया, कलौंजी, मिर्च, हल्दी से जुड़ी जानकारी दी। (ब्यूरो)



कानपुर, मंगलवार, 28 मार्च 2023

04

# हिंदुस्तान कानपुर

शहर



## समस्या दूर करने खेतों में पहुंचे वैज्ञानिक

कानपुर। किसानों की समस्या का समाधान करने सीएसए के सब्जी उत्कृष्टता केंद्र की देखरेख में वैज्ञानिकों की टीम फतेपुर गांव पहुंची। जहां किसान व वैज्ञानिक के बीच संवाद हुआ। मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने मृदा की गुणवत्ता व टपक सिंचाई के बारे में बताया। कीट विज्ञानी डॉ. आनंद स्वरूप श्रीवास्तव, डॉ. संजीव सचान ने मिर्च, हल्दी से जुड़ी जानकारी दी।



# दि ग्राम टुडे

उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश से एक साथ प्रसारित

वर्ष : 04 अंक : 311

देहरादून, मंगलवार, 28 मार्च 2023

मूल्य : 2 रुपये पृष्ठ - 8

एक नजर

कृषि विज्ञान में नए सिरे से

## सीएसए द्वारा आयोजित हुआ कृषक-वैज्ञानिक संवाद

वैज्ञानिकों ने किसानों द्वारा पूछे गए  
सवालों के दिए जवाब

दि ग्राम टुडे, कानपुर।

(मीनाक्षी राहुल सोनकर)

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के सब्जी उत्कृष्टता केंद्र द्वारा ग्राम फत्तेपुर में एक कृषक-वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए उत्कृष्टता केंद्र पर हो रही अनुसंधान गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी उन्होंने कृषि उत्पादन व विपणन से संबंधित विषयों पर चर्चा की। साथ ही मृदा की गुणवत्ता तथा टपक सिंचाई की महत्ता पर विशेष जोर दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कीट विज्ञानी डॉ आनंद स्वरूप श्रीवास्तव ने मुख्यतः मशरूम उत्पादन, चेरी टमाटर, बेबीकॉर्न एवं मधुमक्खी पालन पर विशेष ध्यान देने पर जोर दिया। इसके अतिरिक्त उन्होंने एग्री स्टार्टअप को बढ़ावा देने का किसानों का आवाहन किया। इस अवसर पर डॉ संजीव सचान ने मसाला फसलों जैसे धनिया, कलौंजी, मिर्च, हल्दी आदि के उत्पादन के बढ़ावा



देने पर जोड़ दिया। जिससे किसानों की आय में बढ़ोतरी हो सके। इस अवसर पर डॉ भानु प्रताप सिंह ने सब्जी फसलों में खरपतवार प्रबंधन की विभिन्न तकनीकों की जानकारी दी। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुरेश कुमार एवं नितिन पटेल का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर प्रगतिशील किसान शिव प्रसाद तिवारी, अशोक तिवारी, रामकुमार शुक्ला एवं अंकुर तिवारी सहित एक सैकड़ा से अधिक किसान उपस्थित रहे।